श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

होलि महोत्सव साधनाएं

१३-१४/०३/२०२५ (फाल्गुन शुक्ल पक्ष १४)

होलि के सिद्ध सरल विरल प्रयोग एवं साधनाएं

होली के इस महोत्सव पर साधक या साधिकाएं स्नान आदि से निवृत होकर , सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधनाओं में से आवश्यकता,क्षमता और इच्छा अनुसार कोई भी साधना करें या यह सारी साधनाएं भी कर सकते है |

इच्छा पूर्ति नारियल

१) गृह सुख (घर की इच्छा) इच्छित व्यक्ती अगर होलि के दिन घर में पूजा स्थान पर इस नारियल को पीले कपडे पर स्थापित करे तो गृह इच्छा पूर्ण होती है | ४० दिन बाद नारियल को विसर्जित करे या मंदिर में चढा दे |

२) विवाह की इच्छा हो या विवाह में अडचने आ रहे हो तो होली के दिन इस नारियल को संकल्प ले कर किसी शिवालय में चढ़ा दे तो कार्य संपन्न होता है |

३) धन की बाधा होतो ,घर में लक्ष्मी चित्र या विग्रह के सामने इस नारियल को रख नित्य ४० दिनो तक प्रणाम कर धूप जला दे,तो धनका अभाव नहीं रहता |

४) जिसे नौकरी या नया कारोबार आरंभ करना हो तो इस नारियल को होली के दिन ११ तेल के दीपक के बीच रख घर से दक्षिण दिशा में रख कर वापिस आये और नहा ले,तो नौकरी प्राप्त हो जाती है या कारोबार में आनेवाले अडचने दूर हो जाती है |

५) घर में सुख-शांती प्राप्त होने हेतु इस नारियल को ३ मास तक घर में पुजा स्थान मे रख पुजा करे और ३ मास बाद विसर्जन कर दे |

एकाक्षि नारियल(तंत्रोक्त)

१) जाने-अंजाने किये हुये पापो को नाश करने हेतु तीन नारियल को लाल कपडे में बांध कर " क्रीं " मंत्र का काली हकीक माला से ७ माला जप करे और बाद में उन तीनो नारियलों को होली में दहन करने से पापो का क्षय होगा |

२) तीव्र साधनाओ में सफलता हेतु इस नारियल को सात मुठ्ठी काली मिर्च के साथ अपने अपर से सात बार उतार कर होली में दहन करे |

३) कामेच्छा या बुरे विचारो से ग्रसित हो तो इस नारियल को और साथ में तंत्रोक्त नारियल ले कर " क्लीं " मंत्र को ११ माला जप मुंगा माला से करे और माला सहित दोनो नारियलो को होली में दहन करे तो पीडा मिट जाती है |

४) संतान सुख प्राप्ती हेतु इस नारियल को पति-पत्नी दोनो मिल कर किसी शिवालय में रुद्राक्ष माला के साथ चढ़ा दे तो इच्छा पूर्ण होती है |

तंत्रोक्त नारियल

१) बुरी नजर को उतारने हेतु इस नारियल को एक मुठ्ठी काली सरसों के साथ अपने उपर से तीनबार उतारे और होली में दहन करे |

२) तंत्र बाधा निवारण हेतु इस नारियल के सामने तीन माला जप करे और नारियल को विसर्जित कर दे |

मंत्र: || क्लीं बाधानिवारिण्यै फट् ||

सामाग्री:मूंगा माला

३) स्त्री- रोग निरवारण हेतु इस नारियल के साथ एकाक्षी नारियल को सफेद वस्त्र में बंध कर अपने कुल देवता का प्रार्थना करे और पोटलि को नदी में बहा दे |

चंदन की माला

१) प्रेमी या प्रेमीका को वश में करने हेतु ,इस माला से नीचे दिये मंत्र का ११ माला जप करे और ४० दिनो तक माला गले में धारण करे और ४० दिनो पश्चात माला को किसी कृष्ण मंदिर में चढा दे |

मंत्र: || क्लीं होलिकायै क्लीं ||

२) गुरु को प्रसन्न करने हेतु इस माला को होली के दिन १२ माला जप गुरु मंत्र जप या

मंत्र: || गुं गुरूभ्यो नमः||

मंत्र का जप करे और माला को गले में एक वर्ष तक धारण करे और उसके पश्चात विसर्जित करे दे |

३) कृष्ण साधनाओं में सफलता हेतु इस माला से होली के दिन " क्लीं " मंत्र के २४ माला जप करे तो सफलता के प्रमाण बढ जाते है |

४) एक तरफा प्रेम को दु-तरफा करने हेतु या प्रेमी या प्रेमीका को रिझाने हेतु इस माला को इच्छा पूर्ति नारियल के साथ पूजन कर नारियल को मंदिर में चढा कर माला को प्रेमी के गले में पहना दे तो,प्रेमी या प्रेमीका रिझ जाती है |

५) यदि कोई कन्य या स्त्री अपने सौन्दर्य में वृद्धि चाहती है वो इस माला से होली के दिन होली का दहन के चारो तरफ १०८ प्रदक्षिण करने हुये-

मंत्र: || ॐ होलिकायै सौंदर्य सिद्धि देहि देहि नमः||

मंत्र का जप करे और ४० दिनो तक माला धारण करे | बाद में माला किसी गोशाल में या कृष्ण मंदिर में चढ़ा दे |

६) नपुंसकता को दूर करने हेतु या कमोत्तजना में वृद्धि हेतु इस माला को गले में धारण नित्य भस्त्रिका प्राणायाम करे तो,प्रभाव तुरन्त प्राप्त होगा |

विद्युत-मुद्रिका

१) इस मुद्रिका को शरीर पर धारण करने से स्वास्थ लाभ होगा |

२) विद्यार्थी इस मुद्रिका को धारण करने से उनके पढाई करने की क्षमता में वृद्धि होगी |

३) मानसिक शांति हेतु वृद्ध व्यक्ती इस मुद्रिका को होली के दिन धारण करे |
एक वर्ष के बाद मुद्रिका को जल में विसर्जित कर दे |

रक्तब माला

१) पूर्व जन्मकृत दोष एवं पाप नाश हेतु,इस माला से होली के दिन निम्न मंत्र २१ माला जप कर माला २१ दिनो तक गले में धारण करे और २२ वे दिन माला किसी बडे पेड के नीचे रख दे |
मंत्र: || ॐ क्लीं मम समस्त पूर्व दोषान् निवारय क्लीं फट् स्वाहा ||

२) शत्रु बाधा प्रबल हो गए हो,चिन्ताएं अधिक हो या बाधाएं बहुत अधिक हो गई हो तो इस माला से इच्छ पूर्ति नारियल,तंत्रोक्त नारियल एवं एकाक्षि नारियल(तंत्रोक्त) के सामने ७ माला जप करे |
मंत्र: || ऐं ह्रीं ऐं क्लीं क्लीं हुं हुं क्रीं क्रीं फट् ||
जप करने से पूर्व सभी नारियल पर सिन्दूर से पूजन करे एवं लोबान का धुप जलता रहे |
जप के उपरान्त सभी सामाग्री को जमीन में गढ़ दे |

होली के अन्य सिद्ध प्रयोग

१) धन की समस्या:

अगर घर या व्यापार में धन की समस्या हो या आरहि हो तो इस प्रयोग को अपना ने से समस्या का परिहार मिल जाता है |

घर या व्यापार स्थल पर ७(सात) तेल के दिपक जला ले और उन सातो दिपक की पूजन सिन्दूर,हल्दी-कुंकुम से करे और नीचे दिये मंत्र का २१ माला जप करे |

मंत्र: || ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं स्वर्णावति मम गृहे आगच्छ आगच्छ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॐ नमः||

तेल कोई भी या किसी भी प्रकार का हो सकता है | मंत्र जप कोई भी हकीक माला से कर सकते है | अगले दिन सभी दीपक एवं हकीक माला की जलाशय में डाल दे या बडे वृक्ष के नीचे रख दे | याद रहे की साधना के बीच में उठे नही और दिया न बुझे यदी दिया जप के समय बुझ जाय तो दिपक जलाले और जप फिर से आरंभ करे |

२) विद्या-प्राप्ती हेतु:

होली के दिन यदी कोई विद्या-प्राप्ती या उत्कृष्ट शिक्षा का इच्छुक हो तो वे इस विधान को अपना सकते है |

होली के दिन सफेद वस्त्र पहन कर स्फटिक या विद्युत या सफेद हकीक माला से नीचे दिये मंत्र का जप २१ माला जपे तो मार्ग प्रशस्त होगा | साधना के उपरान्त माला गले मे धारण करे और एक वर्ष बाद विसर्जित कर दे |

मंत्र: || ह्रीं ह्रीं ह्रीं ऐं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ||

जप संख्या: २१ माला

जप उत्तराभिमुख होकर करे |

३) **समस्त कार्यो में सिद्धि हेतु:**

होलिकाग्नी जला कर या पाँच शुद्ध घृत के दिपक जला ले और समने बैठ कर अपने कुल के देवता एवं गुरु की पूर्ण पूजन कर मंत्र सिद्ध प्राण प्रतिष्ठीत स्फटिक या विद्युत माला नीचे दिये मंत्र का ५१ माला जप करे | इस विधान से मन की जो इच्छा है वह पूर्ण होति है या उसके सफलता में सहायता प्राप्त होति है |

मंत्र: || ॐ ह्रीं मम मनोवाञ्छित कार्य सिद्धये ह्रीं नमः||

****